Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 5958633

Roll No. 23262000010
Total Mark 63/75.00
Exam BACHELOR OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
Subject A320301T - CONTRIBUTION OF ANCIENT MEDIEVAL

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5						
1B	4/5						
1C	4/5						
1D	4/5						
1E	5/5						
1F	4/5						
1G	4/5						
1H	4/5						
1I	4/5						
2	0/15						
3	0/15						
4	14/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	12/15						
8	0/15						
9	0/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

Date of Exam: 06/01/25 Shift: IInd Room No.: 1
Paper Code: A320301T Subject: Music (Vocal) Year/Sem: 2,3
Name of Candidate: Nitya Rastogi
Roll No.: 2 3 2 6 2 0 0 0 1 0

Signature of Candidate | Signature of Invigilator | COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED

Q	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figure | Max. Marks
Total Marks in Words

Paper Code: A 3 2 0 3 0 1 T

Signature of Evaluator

Course: Contribution of Ancient, Medival & Modern Scholars to Indian Music (B.A)
Session: 2024-25 Year/Semester: 2,3
Subject Name: Music (Vocal)
Medium: English ○ Hindi ●

Paper Code: A 3 2 0 3 0 1 T

Exam Date: 0 6 0 6 2 0 0 6

Name of Candidate: N I T Y A R A S T O G I

Father's Name: S A N J E E V R A S T O G I

महाविद्यालय का कोड College Code: F B 0 7

परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: F B 0 7

परीक्षा का प्रकार Type of Exam
संस्थागत Regular ● | भूतपूर्व छात्रों Ex-Student ○
व्यक्तिगत Private ○ | बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO. 5958633

Paper Code: A 3 2 0 3 0 1 T

नामांकन संख्या Enrollment Number: C S J M A 2 3 0 0 0 1 1 6 3 1 8

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2 3 2 6 2 0 0 0 1 0

पेपर कोड Paper Code: A 3 2 0 3 0 1 T

Nitya Rastogi
Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पत्र के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken the circles completely.

Correct Method ① ● ③ ④ Incorrect Method ✓ ✗ ◉ ④

4. Make no Stray marks on this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाइल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में करेंसी न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसकी परीक्षा होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई का[illegible] नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Su Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of t commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in stat as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Paper Code A32030 17

Section : A

Que 1) राग बागेश्री का आरोह, अवरोह तथा पकड़ लिखिए।

Ans 1) राग बागेश्री

→ दोहा :-

द्वितीय प्रहर निशि ग नि, मृदु मानत म सा संवाद।
आरोहण स्वर रे प वर्जित, स्वर राखत काफी थाट॥

⇒ राग- परिचय ⇒

- थाट → काफी
- स्वर → ग, नि कोमल स्वर, अन्य शुद्ध स्वर
- जाति → औडव - सम्पूर्ण
- वर्जित स्वर → आरोह में रे, प स्वर वर्जित
- वादी → म (मध्यम)
- संवादी → सा (षड्ज)
- गायन समय → मध्यरात्रि

→ आरोह → सा ऩि ध ऩि सा म, ग म ध, नि सां।

→ अवरोह → सां नि ध, म प ध ग, म ग रे सा।

→ पकड़ → सा ऩि ध ऩि सा म, म प ध ग,
म ग रे सा।

Que 2) झपताल का ठेका व दुगुन लिखिए।

Ans 2) ताल - झपताल

ताल-परिचय → ताल झपताल तबले की ताल है।
यह ताल शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त

की जाती है। इस ताल को अर्द्ध सम पदी ताल कहा जाता है।

- मात्रा → 10 मात्राएँ
- विभाग → 4 विभाग (प्रत्येक मे 2-3, 2-3 मात्रा)
- ताली → 1, 3, 8 वीं मात्रा पर
- खाली → 6 मात्रा पर

ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
बोल	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना
चिन्ह	X		2			0		3		

दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	
बोल	धीना	धीधी	नाती	नाधी	धीना	
चिन्ह	X		2			
मात्रा	6	7	8	9	10	
बोल	धीना	धीधी	नाती	नाधी	धीना	धी
चिन्ह	0		3			X

Q.3 (b) वर्जित स्वर से आप क्या समझते है?

Ans

वर्जित स्वर

वर्जित स्वर, वे स्वर होते हैं जिनका प्रयोग राग में नहीं किया जाता है। अर्थात् वर्जित स्वर को [illegible] का गायन वादन करते समय [illegible] दिया जाता है।

वर्जित का अर्थ होता है – हटा देना। वर्जित स्वर का प्रत्येक राग में होना आवश्यक नहीं है। केवल एक ही वर्जित स्वर हो जरूरी नहीं, लेकिन वर्जित स्वर दो स्वरों से अधिक नही होते। वर्जित स्वर के अनुरूप ही राग की जाति निश्चित की जाती है।

→ उदाहरण :- राग वृन्दावनी सारंग में वर्जित स्वर 'ध, ग' है। राग मारवा, पूरिया में वर्जित स्वर 'प' है।

आवश्यक नहीं, वर्जित स्वर पूरे राग में ही वर्जित हो, ये केवल आरोह या अवरोह में भी वर्जित हो सकता है।

→ उदाहरण :- राग बागेश्री में आरोह में 'रे, प' स्वर वर्जित है, किन्तु अवरोह में सभी स्वरों का प्रयोग किया जाता है।

Que 4) राग मियां मल्हार का परिचय आरोह, अवरोह एवं पकड़ के साथ लिखिए।

Ans

राग – मियाँ मल्हार

→ दोहा :- "ग कोमल, सा-प संवाद, उतरत धैवत वर्ज्य। दोउ निषाद रूप साजत, मियाँ मल्हार का अर्ज ॥"

→ राग-परिचय →

- थाट → काफी
- स्वर → ग कोमल तथा नि कोमल व नि शुद्ध स्वर भी
- जाति → सम्पूर्ण – षाड़व

- वर्जित स्वर → अवरोह में धैवत (ध)
- वादी → सा (षड्ज)
- संवादी → प (पंचम)
- गायन समय → मध्यरात्रि

→ आरोह → सा रे म रे सा, रे म प, नि ध, नि ध, नि ध, नि सां।

→ अवरोह → सां नि ध, म प ग, म ग रे सा।

→ पकड़ → रे म , नि प, म प सां, नि ध नि सां, प म ग, म रे सा।

Que 5) पं. भातखण्डे जी ने कितने थाट माने हैं?

Ans (5) पं० भातखण्डे जी का पूरा नाम पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे था। ये आधुनिक जगत के महान संगीतकार थे। मध्यकाल के बाद जब संगीत केवल वेश्याओं के कोठों तक ही सीमित रह गया था, तब पंडित जी ने ही संगीत का प्रचार-प्रसार करके संगीत को प्रख्यात किया तथा आम-जनता तक पहुँचाया।

पं० भातखण्डे का जन्म 10 अगस्त 1861 में महाराष्ट्र में हुआ था।

→ पं० भातखण्डे जी के द्वारा माने गये थाट →

पं० भातखण्डे जी ने 32 थाट माने, किन्तु केवल 10 थाटों को छाँटकर, उन्हीं से अनान्य रागों की रचना की है। पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे

जी के द्वारा माने गये 10 थाटों के नाम इस प्रकार है –

1	बिलावल	——	सभी शुद्ध स्वर।
2	कल्याण	——	म तीव्र।
3	खमाज	——	नि स्वर कोमल।
4	काफी	——	ग, नि कोमल।
5	आसावारी	——	ग, ध, नि कोमल।
6	भैरव	——	रे, ध कोमल
7	भैरवी	——	रे ग ध नि कोमल।
8	मारवा	——	रे कोमल, म तीव्र।
9	पूर्वी	——	रे ध कोमल, म तीव्र।
10	तोड़ी	——	रे, ग, ध कोमल, म तीव्र।

Que 6) झपताल के प्रत्येक विभाग में कितनी मात्राएँ होती है ?

Ans ताल झपताल एक अर्द्ध समपदी ताल है या विषम पदी। यह तबले की ताल है।

- इस ताल में कुल 10 मात्राएँ होती है।
- इस ताल में चार (4) विभाग होते है।
- पहले तथा तीसरे विभाग में 2-2 मात्राएँ तथा दूसरे तथा चौथे विभाग में 3-3 मात्राएँ होती है।

ताल → झपताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
बोल	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना	धी
चिन्ह	X		2			0		3			X

Do Not Write anything in this Portion

Qu(7) धी ना | धी धी ना | किस ताल का ठेका है?

Ans

यह ठेका ताल झपताल का है। यह ताल तबले की एक प्रचलित ताल है।

ताल झपताल में 10 मात्राएँ होती हैं। इस ताल में चार विभाग होते हैं। पहले तथा तीसरे विभाग में दो-दो मात्राएँ तथा दूसरे तथा चौथे विभाग में 3-3 मात्राएँ होती हैं। ताल की पहली मात्रा पर सम होता है। इस ताल में सम को मिलाकर कुल 3 तालियाँ, पहली मात्रा पर, तीसरी मात्रा पर तथा आठवीं मात्रा पर होती हैं। इस ताल में एक खाली होती है, जो कि छठी मात्रा पर होती है।

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
बोल	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना	धी
चिन्ह	X		2			0		3			X

Qu(8) तीव्रा ताल का ठेका लिखिए।

Ans

ताल - तीव्रा ताल

तीव्रा ताल को तीवरा ताल भी कहा जाता है। यह ताल पखावज की ताल है। यह ताल अत्यधिक ध्रुपद गायन शैली के साथ प्रयोग में लायी जाती है। इस ताल को खुले बोलों के द्वारा बजाया जाता है। चारताल तथा सूलताल के बोलों का अंश इस ताल में

स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। यह ताल कम प्रचलित ताल है तथा इस ताल मे खाली नही होती है।

⇒ ताल - परिचय →

मात्रा ⇒ 7 मात्रायें
विभाग ⇒ 3 (प्रथम में 3 मात्रा, दूसरे में 2 तथा तीसरे में 2)
ताली ⇒ 1, 4, 6
खाली → एक भी नही

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	
बोल	धा	दिं	ता	धिन	कत	गदि	गन	धा
चिन्ह	X			2		3		X

यह ताल विषम पदी ताल है।

Qus(9) पं० ओमकार नाथ ठाकुर का जन्म कब हुआ था?

Ans जन्म ⇒ 10 अप्रैल 1895 महाराष्ट्र में
पं० ओमकार नाथ ठाकुर जी संगीत जगत के महान ज्ञाता था। पं० भातखण्डे तथा पं० पलुस्कर जी के बाद इनका नाम अत्यधिक प्रख्यात हुआ है।
पं० ओमकार ठाकुर जी पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर जी के शिष्य थे।
इन्होने संगीत के अन्य कॉलेज तथा महाविद्यालय में शिक्षक के रूप मे कार्य किया। वे गांधर्व कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में भी कार्यरत थे।

Do Not Write anything in this Portion

Section ! B

Any one Question !—

Que झपताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन तथा चौगुन के साथ लिखिए।

Ans

ताल - झपताल

ताल झपताल तबले की ताल है। इस ताल का प्रयोग शास्त्रीय संगीत अर्थात (गायन तथा नृत्य तथा वादन) तीनों संगीत की विधाओं में किया जाता है। यह ताल बन्द बोलो की ताल है। इस ताल मे पेशकार, परन, टुकड़े, कायदे, तिहाई, रेला आदि का वादन किया जाता है। यह ताल अर्द्ध सम पदी ताल है। इस ताल के विभागो में एक समान मात्रा न होने के कारण इस ताल को विषम पदी ताल कहा जाता है।

यह ताल कठिन प्रतीत होती है, क्योंकि इस ताल में असमान वजन होता है, इसकी मात्राओं के कारण। इस ताल का प्रयोग मध्य लय में किया जाता है।

→ ताल का परिचय →

- मात्रा → 10 मात्राएँ
- विभाग → 4 विभाग (पहले तथा तीसरे विभाग मे 2-2 मात्राएँ, दूसरे व चौथे में 4-4 मात्रा)
- ताली → 1, 3, 8 वीं मात्रा पर
- खाली → 6 मात्रा पर

9

x झपताल का ठेका x

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
बोल	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना
चिन्ह	X		2			0		3		

x दुगुन x

मात्रा	1	2	3	4	5
बोल	धीना	धीधी	नाती	नाधी	धीना
चिन्ह	X		2		
मात्रा	6	7	8	9	10
बोल	धीना	धीधी	नाती	नाधी	धीना
चिन्ह	0		3		

x चौगुन x

मात्रा	1	2	3	4	5
बोल	धीनाधीधी	नातीनाधी	धीनाधीना	धीधीनाती	नाधीधीना
चिन्ह	X		2		
मात्रा	6	7	8	9	10
बोल	धीनाधीधी	नातीनाधी	धीनाधीना	धीधीनाती	नाधीधीना
चिन्ह	0		3		

धी
X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Section : C

Any one Question!-

Qu. अपने पाठ्यक्रम के किसी भी एक राग के द्रुत ख्याल की स्वरलिपि लिखिए।

Ans.

राग - सोहनी

→ दोहा →

"कोमल ऋषभ अरु तीवर स्वर,
जहाँ है पंचम वर्जित मान।
ध, ग स्वर संवाद जानत,
राग सोहनी मान ॥"

→ राग - परिचय →

- थाट → मारवा
- स्वर → रे कोमल, मं तीव्र।
- वादी → ध
- संवादी → ग
- जाति → षाड़व - षाडव
- वर्जित स्वर → प (पंचम)
- गायन समय → रात्रि का अन्तिम प्रहर

→ यह राग सन्धि प्रकाश राग है।

→ आरोह → सा ग, मं ध, नि सां।
→ अवरोह → सां रे॒ सां, ग मं ध, नि सां।

राग का द्रुत ख्याल (छोटा ख्याल)

- ताल → तीनताल
- लय → मध्य / द्रुत लय
- स्थायी →
  मुरली कान्हा अधर बजाई
- अन्तरा →
  सोती थी मैं अपने महल में
  आये सदारंग मोरे सुखदाई

× बन्दिश ×

स्थायी →

मं ध नि सां	रें – सां –	नि ध नि सां	नि नि मं ध
मु र ली ऽ	का ऽ ऽ ऽ	अ ध र ऽ	ब जा ई ऽ
3	×	2	0

अन्तरा →

– ध मं ध	नि – सा –	सां रें सां रें	नि नि सां –
ऽ सो ती ऽ	थी ऽ मैं ऽ	अ प ने म	ह ल में ऽ
3	×	2	0
नि रें गं मं	गं – रें सा	नि ध नि सां	नि नि मं ध
आ ऽ ये स	दा ऽ रं ग	मो ऽ रे ऽ	सु ख दा ई
3	×	2	0
ग मंध नि सा			
ऽ मुर ली ऽ			
3			

———×———

अनु० → 2326200010

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

12

Paper Code

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

19

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

20

Paper Code

21

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

23

Paper Code

24

Do Not Write anything in this Portion